

नौकरी की किताब
सत्र 10: ईश्वर और शैतान के पुत्र
जॉन वाल्टन द्वारा

यह डॉ. जॉन वाल्टन और जॉब की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 10 है, ईश्वर और शैतान के पुत्र।

चैलेंजर की रिपोर्ट [00:23-1:03]

तो, प्रसिद्ध दृश्य स्वर्गीय दरबार में सामने आता है। भगवान चुनौती देने वाले को अपनी रिपोर्ट बनाने के लिए बुलाते हैं। तुमने क्या पाया? फिर, यह केवल वह बातचीत है जो हमारे लिए स्थिति खोलती है। यह किसी तरह ईश्वर की अभिव्यक्ति नहीं है जो नहीं जानता कि क्या हो रहा है। उन्होंने चैलेंजर को काम सौंपा है कि वह जाकर चीजें खोजें और उन्हें लेकर आए। और इसलिए, चुनौती देने वाला अपनी निर्धारित भूमिका निभा रहा है, और भगवान जानकारी एकत्र कर रहा है। कोई भी अच्छा राजा यही करेगा। तो, यह इस स्थिति को उन शब्दों में चित्रित कर रहा है।

निष्काम धर्म प्रश्न [1:03-2:27]

जैसा कि हमने पहले नोट किया है, चैलेंजर मामले को सामने लाता है। बढ़िया, देखिए आपने अय्यूब के लिए क्या किया है। आपने उसे यह सब दिया है। और वह कहता है, कि तू ने उसके और उसके घराने के चारों ओर, अर्थात् जो कुछ उसका है, उसके चारों ओर बाड़ लगा दी है। तू ने उसके हाथ के काम पर आशीष दी है, कि उसकी भेड़-बकरियां और गाय-बैल सारे देश में फैल गए हैं। लेकिन हाँ, आपने उसके लिए इसे बहुत आसान बना दिया है; परन्तु क्या अय्यूब बिना कुछ लिये परमेश्वर की सेवा करता है? हमने इसे पहले ही उठाया है। यह निष्काम धार्मिकता का मामला है, अर्थात् स्वार्थ रहित धार्मिकता। क्या अय्यूब बिना कुछ लिये परमेश्वर की सेवा करता है? यह चुनौती सीधे प्रतिशोध सिद्धांत और महान सहजीवन, उन शर्तों, जिनके बारे में हमने बात की है, के केंद्र पर हमला करती है। और यह पुस्तक अंततः इन सबके लिए सुधारात्मक सिद्ध होगी।

क्या अय्यूब भगवान को "शाप" देगा [बराक]? [2:27-3:52]

तो, हमारे सामने यह चुनौती है: अय्यूब पीड़ा पर कैसे प्रतिक्रिया देगा? याद रखें कि हमने अय्यूब के बारे में तब बचाव के मुख्य गवाह के रूप में, ईश्वर की नीतियों के बचाव के बारे में बात की थी। वह कैसे प्रतिक्रिया देता है यह निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा कि धर्मी लोगों को आशीर्वाद देना एक स्वीकार्य नीति है या नहीं।

अब, चुनौती देने वाले का सुझाव है कि अय्यूब उसके मुँह पर परमेश्वर को शाप देगा। हमने अय्यूब 1 और 2 में हर जगह आशीर्वाद और शाप देने से पहले इस शब्दावली के बारे में बात की है, जहां पाठ अनुवाद में भगवान को शाप देने के बारे में बात करता है; जिस हिब्रू शब्द का प्रयोग किया गया है वह हिब्रू क्रिया "बराक" है, जिसका अर्थ है आशीर्वाद देना। तो फिर, इन संदर्भों में, अध्याय एक, श्लोक 5, श्लोक 11, अध्याय दो, श्लोक 5 और 9 में उन संदर्भों में बराक, जिसका अर्थ है धन्य, का उपयोग अभिशाप को संदर्भित करने के लिए व्यंजनात्मक रूप से किया जा रहा है। और इसका अनुवाद अध्याय एक, श्लोक 10 और श्लोक 21 में "धन्य" के रूप में किया गया है। व्यंजना का यह प्रयोग एक अजीब तुलना उत्पन्न करता है क्योंकि चैलेंजर का दावा है कि अय्यूब भगवान को उसके चेहरे पर डांटेगा, जिसका अर्थ है श्राप, फिर भी इसके विपरीत, अय्यूब भगवान को डांटता है, 1.21 में अर्थ आशीर्वाद। और इसलिए, जब हम परिच्छेद पर काम करते हैं तो यह शब्दों पर एक बहुत ही दिलचस्प प्रकार का खेल बनाता है। और यह निर्णय कि क्या बराक एक व्यंजना है या क्या इसका वास्तव में अर्थ "धन्य" है, वाक्य के संदर्भ पर निर्भर करता है।

चरम आपदाएँ 3:52-4:35]

अब, निःसंदेह, एक बार जब चैलेंजर को खुली छूट दे दी गई, तो परिणामी त्रासदी होगी। मानव शत्रु हैं। स्वर्ग से दिव्य न्याय आता है। वहाँ कुछ ऐसा है जिसे प्राकृतिक आपदा कहा जा सकता है, सब कुछ तेजी से हो रहा है। फिर, तथ्य यह है कि सभी क्षेत्रों को कवर किया गया है और वे सभी पूर्ण आपदा लाते हैं। "केवल, मैं बच गया हूँ" कि वे तेजी से एक के बाद एक आते हैं, यह सब चरम तस्वीर का हिस्सा है। पुस्तक की संपूर्ण तस्वीर को साकार करने के लिए सब कुछ अचानक और समग्र होना चाहिए।

अय्यूब की प्रतिक्रिया [4:35-5:50]

इसके विपरीत, हम अय्यूब की प्रतिक्रियाओं को देखते हैं। सबसे पहले, वह शोक के सामान्य कार्यों में संलग्न होता है। और इसलिए हमारे पास इसका वर्णन हमारे लिए है। साष्टांग प्रणाम ईश्वर द्वारा की गई किसी उल्लेखनीय चीज़ की प्रतिक्रिया है और स्वीकारोक्ति और स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है। और इसलिए, अय्यूब परमेश्वर के सामने दंडवत हो गया। पुनः ध्यान दें तो वह इसे ईश्वर का कार्य मानता है, किसी दुष्ट एजेंट का स्वतंत्र कार्य नहीं। उन्होंने अपना भाषण भगवान के नाम पर आशीर्वाद के आह्वान के साथ समाप्त किया। "नंगा, मैं अपनी मां के पेट से आया, नग्न, मैं चला जाऊंगा। यहोवा ने दिया है, यहोवा ने ही लिया है। यहोवा के नाम की स्तुति की जाए।"

यह दिलचस्प है कि यहां अय्यूब के मुंह में यहोवा के नाम का उपयोग किया गया है, फिर भी सभी भाषणों और सभी प्रवचनों के माध्यम से, यहोवा का उपयोग कभी नहीं किया जाता है जब तक कि हम अध्याय 38 में यहोवा के भाषणों तक नहीं पहुंच जाते। अय्यूब हमेशा ईश्वर को एल या एलोहिम या एल शादाई के रूप में संदर्भित करता है। , कभी यहोवा नहीं, सिवाय यहाँ प्रस्तावना में और फिर यहोवा के भाषणों में।

बराक शब्द पर आशीर्वाद/अभिशाप खेलें [5:50-7:20]

चुनौती देने वाले ने कहा कि वह भगवान के नाम को शाप देगा। अय्यूब का भाषण परमेश्वर के नाम के आशीर्वाद के साथ समाप्त होता है। लेकिन यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा चैलेंजर ने कहा था कि वह ऐसा करेगा और फिर भी बिल्कुल विपरीत है। चुनौती यह है कि वह बराक होगा, और वह बराक होगा। तो यह वैसा ही है जैसा चैलेंजर ने कहा था, लेकिन यह विपरीत है। ठीक है? क्योंकि चुनौती देने वाला इसे एक व्यंजना के रूप में उपयोग कर रहा था, अय्यूब अपने चेहरे पर भगवान को आशीर्वाद देता है, लेकिन बिना किसी व्यंजनापूर्ण अर्थ के। अय्यूब ईश्वर को जवाबदेही के लिए नहीं बुला रहा है। ईश्वर चाहे दे या ले, उसकी स्तुति करनी चाहिए। भगवान का हम पर कुछ भी बकाया नहीं है।

अब ये सराहनीय और प्रशंसनीय प्रतिक्रिया है. निःसंदेह, हम पाएंगे कि अय्यूब पूरी किताब में इस प्रकार की शुद्ध प्रतिक्रिया को बनाए रखने में सफल नहीं हुआ है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है शुरुआत में यह आसान हो जाता है। मुझे लगता है कि हममें से कई लोग इसे इसी तरह से पाते हैं।

जब हम लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं, तो शुरुआत में मजबूत होना थोड़ा आसान होता है, लेकिन समय बीतने के साथ चीजें बिगड़ती जाती हैं। किताब हमें बताती है "कि इस सब में अय्यूब ने परमेश्वर पर गलत काम करने का आरोप लगाकर पाप नहीं किया।" फिर भी वह ईश्वर को ही मानता था जिसने इसे किया था, लेकिन वह ईश्वर को जवाबदेह ठहराने की कोशिश नहीं कर रहा है।

छिपी हुई जानकारी: स्वर्गीय दृश्य [7:20-9:39]

अब पुस्तक की अलंकारिक रणनीति में, स्वर्ग में यह पहला दृश्य कैसे काम करता है? खैर, सबसे पहले, यह हमें संकेत देता है कि अय्यूब वास्तव में गलत काम करने में निर्दोष है। यह प्राचीन निकट पूर्व के सामान्य उत्तरों को समाप्त कर देता है, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है। यह स्थिति के बारे में अलग ढंग से सोचने के लिए कुछ नए समाधानों के लिए जगह बनाता है। फिर, सभी चरम सीमाएं विचार के लिए जगह बनाती हैं। फिर, यह हमें दिखाता है कि नौकरी परीक्षण पर नहीं है। स्वर्ग का दृश्य भगवान की नीतियों को लक्षित करता है। नौकरी सिर्फ परीक्षण का मामला है। हम यह भी पाते हैं कि स्वर्ग का दृश्य छिपी हुई जानकारी की अवधारणा का परिचय देता है। याद रखें कि न तो अय्यूब, न ही उसके दोस्त, स्वर्ग के इस दृश्य के बारे में कभी जान पाएंगे। उन्हें कभी नहीं बताया जाएगा कि क्या हुआ था। उनके पास इस बात का कभी कोई स्पष्टीकरण नहीं होगा कि यह सब किस कारण से शुरू हुआ। उन्हें कभी पता नहीं चलेगा। और इसलिए, उस स्थिति में, अय्यूब को किसी भी प्रकार का कारण या उत्तर या स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता है। और इसलिए, हम पहले ही देख चुके हैं कि किताब में छिपी हुई जानकारी कैसे काम आएगी। हम ध्यान देते हैं कि ईश्वर ने बातचीत शुरू की और कार्रवाई को मंजूरी दी। वह इसकी जिम्मेदारी लेते हैं। और इसलिए, फिर से, हम पाते हैं कि चैलेंजर सीधे तौर पर सामने आने वाली परिस्थितियों के इस विशेष सेट के लिए एक उत्प्रेरक है।

अय्यूब के ज्ञान से स्वर्ग का दृश्य ही हटा दिया गया है। और इसलिए, क्या यह हमें पाठकों के रूप में पर्दे के पीछे का कोई कारण देने के लिए नहीं है जिसके द्वारा हम स्वयं ईश्वर को जवाबदेह ठहरा

सकें या उसका मूल्यांकन कर सकें। बल्कि, यह उन सभी चीज़ों को तस्वीर से बाहर निकालना है ताकि हम इस पूरे विचार पर चर्चा कर सकें कि हम ईश्वर के बारे में कैसे सोचते हैं।

ईश्वर की नीतियों को एक समीकरण तक सीमित नहीं किया जा सकता [9:39-10:16]

अय्यूब ने प्रतिशोध सिद्धांत के संदर्भ में सोचा। उसने सोचा कि भगवान के कार्यों को एक साधारण समीकरण में घटाया जा सकता है। आज बहुत से लोग यही सोचते हैं। यह हमेशा एक गलती है। तो, स्वर्ग के दृश्य ने, इस पहले दृश्य ने, परिदृश्य को खोल दिया है, लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। स्वर्ग में दूसरा दृश्य है, और हम अगले खंड में उसके बारे में बात करेंगे।

यह डॉ. जॉन वाल्टन और जॉब की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 10 है, ईश्वर और शैतान के पुत्र [10:16]